

प्रेषक,

टी०एन० सिंह,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तरांचल शासन।

संख्या

/वि०अनु०-१/२००४

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

वित्त अंगुणा-१

देहरादून, दिनांक: ०३ जुलाई, २००४

विषय: माह जून एवं जुलाई, २००४ के वेतन आहरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया शासनादेश संख्या-३९४/वि०अनु०-१/२००४, दिनांक २९ मई, २००४ का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा माह मई, २००४ का वेतन बजट आवंटन की प्रत्याशा में आहरित करने के निर्देश निर्गत किये गये थे। शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि अधिकतर आहरण वितरण अधिकारियों को बचनबद्ध मदों का बजट उपलब्ध नहीं कराया गया है।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माह जून एवं जुलाई, २००४ का वेतन जो क्रमशः माह जून एवं जुलाई २००४ के अन्त में देय है, का आहरण कोषागारों द्वारा लेखानुदान में दर्शाये गये सुसंगत लेखाशीर्षक के अन्तर्गत बजट आवंटन की प्रत्याशा में आवंटित कर दिया जाय। संबंधित आहरण वितरण अधिकारी तत्काल संबंधित विभाग/बजट अधिकारी लेखानुदान की अवधि (०१ अप्रैल, २००४ से ३१ जुलाई, २००४ तक) का बजट प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे, जिससे अन्य बचनबद्ध मदों में समय से भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

बजट आवंटन की प्रत्याशा में वेतन आहरित करने का आदेश अन्तिम बार निर्गत किये जा रहे हैं। अतः प्रशासकीय विभागों का यह उत्तरदायित्व होगा कि बचनबद्ध मदों का बजट समय से विभागाध्यक्षों के निर्वहन पर रखा जाना सुनिश्चित करावेगे।

भवदीय,

(टी० एन० सिंह)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या ४९३०/वि०अनु०-१/२००४ तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

१. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
२. समस्त विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रक अधिकारी, उत्तरांचल।
३. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
४. निदेशक, एन०आई०सी० उत्तरांचल।
५. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।

आज्ञा से

(टी० एन० सिंह)
अपर सचिव, वित्त।